इंतज़ार | by Kunal Bathwal

सांवरिया थारी याद में अँखियाँ भिगोया हाँ
कद आंसू पोंछन ताई थे आवोगा

म्हारी जीवन नैया थारे चरणा शीश का दानी
हाथ लगा दो पार कर दो कर दो न थे मेहेरबानी
खाटू का राजा कद म्हारे सिर पर हाथ फिरावोगा
कद आंसू पोंछन ताई थे आवोगा

जद जद थारी ज्योत जगाई हिवड़ो भर भर आयो
बाबो म्हारे सागे कोणी सोच के जी मचलायो
बाबा बतलावो कद मेरे मन का भरम थे तोड़ोगा
कद आंसू पोंछन ताई थे आवोगा

जग यो सारो जाने थारी म्हारी प्रीत पुरानी
म्हा पर के के बीत्यो बाबा थां सु कुछ नहीं छानी
कुणाल यो हारयो कद वाकि बोलो जीत करावोगा
कद आंसू पोंछन ताई थे आवोगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%87%e0%a4%82%e0%a4%a4%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-kunal-bathwal/